खरीफ फसलों की सुरक्षा पर जोर: कपास के कीट प्रबंधन के लिए पांच दिवसीय प्रशिक्षण

संगरिया । खरीफ वर्ष 2026-27 के अंतर्गत कृषि विज्ञान केंद्र, ग्रामोत्थान विद्यापीठ, संगरिया में खरीफ फसलों के एकीकृत प्रबंधन, विशेष रूप से कपास के कीटों के प्रभावी नियंत्रण पर केंद्रित पांच दिवसीय मानव संसाधन विकास कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण में **40 प्रतिभागियों** ने भाग लिया। कार्यक्रम का आयोजन डॉ. आर. के. शर्मा, उप निदेशक, टिड्डी-सह-एकीकृत कीट प्रबंधन केंद्र, श्रीगंगानगर के निर्देशन में किया गया। प्रशिक्षण का उद्देश्य प्रतिभागियों की तकनीकी दक्षता बढ़ाना तथा किसानों तक वैज्ञानिक कीट प्रबंधन तकनीकों का प्रभावी प्रसार सुनिश्चित करना था।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि श्रद्धा गोमे, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, जिला परिषद् हनुमानगढ़ ने अपने उद्बोधन में कहा कि प्रशिक्षण के दौरान प्राप्त तकनीकी ज्ञान का उपयोग कृषि क्षेत्र में व्यावहारिक रूप से किया जाना चाहिए, ताकि किसानों की आय में वृद्धि हो सके। उन्होंने कहा कि किसानों को वैज्ञानिक एवं प्रायोगिक जानकारी उपलब्ध करवाने से न केवल कृषि उत्पादन और उत्पादकता में सुधार होगा, बल्कि देश की अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी।

कृषि विज्ञान केंद्र, ग्रामोत्थान विद्यापीठ, संगरिया के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनूप कुमार ने स्वागत उद्बोधन प्रस्तुत किया। उन्होंने प्रशिक्षण के सफल संचालन के लिए आवश्यक सुविधाएं एवं विषय विशेषज्ञ उपलब्ध करवाने में कृषि विज्ञान केंद्र की भूमिका पर प्रकाश डाला तथा किसानों तक वैज्ञानिक तकनीकों को पहुंचाने के महत्व को रेखांकित किया।

प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को कपास एवं अन्य खरीफ फसलों की उन्नत शस्य क्रियाओं, एकीकृत खरपतवार प्रबंधन, एकीकृत जल एवं पोषक तत्व प्रबंधन, लाभदायक कीटों की पहचान तथा फसलों में लगने वाले प्रमुख कीटों एवं रोगों की पहचान और उनके एकीकृत प्रबंधन की जानकारी दी गई। इसके अतिरिक्त, किसान स्तर पर जैविक आदानों के उत्पादन तथा कीट प्रबंधन में कृत्रिम बुद्धिमत्ता

(आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) के उपयोग जैसे समसामयिक विषयों पर भी तकनीकी जानकारी प्रदान की गई। प्रशिक्षण में वैज्ञानिक पद्धतियों के माध्यम से कीटों के प्रभावी नियंत्रण, रासायनिक कीटनाशकों के विवेकपूर्ण उपयोग तथा पर्यावरण अनुकूल कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देने पर विशेष जोर दिया गया।

कार्यक्रम में डॉ. प्रकाश चंद्र, सहायक निदेशक सहित टिड्डी-सह-एकीकृत कीट प्रबंधन केंद्र, श्रीगंगानगर के जितेंद्र मीणा, अंकित कुमार जांगिड़, करीना बैफलावत, आर. के. चौधरी, वर्षा एवं रिया चावला ने सहभागिता की। प्रशिक्षण के विभिन्न तकनीकी सत्रों में डॉ. चंद्र शेखर शर्मा, डॉ. उमेश कुमार, डॉ. महावीर प्रसाद, डॉ. मुकेश कुमार, डॉ. कुलदीप सिंह, बी. आर. बाकोलिया, डॉ. अनिल कुमार एवं डॉ. राधे श्याम ने विषय विशेषज्ञ के रूप में जानकारी प्रदान की।

इस प्रशिक्षण के माध्यम से प्रतिभागियों की तकनीकी क्षमता सुदृढ़ करने, एकीकृत कीट प्रबंधन की वैज्ञानिक विधियों को प्रोत्साहित करने तथा किसानों तक प्रभावी एवं टिकाऊ कृषि तकनीकों का प्रसार करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई।

5 दिवसीय आई.पी.एम. HRD
प्रशिक्षण कार्यक्रम
CERTIFICATE

5 दिवसीय आई.पी.एम. HRD
कार्यक्रम
विषय:
का एकीकृत
26-27
अक्टूबर
टिड्डी-सह-